सेवा में,

माननीय रजिस्ट्रार जनरल

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली

विषय–ORIGNINAL APLICATION NO.627/2023 GOPAL CHANDRA VANWASHI VERSUS UTTRAKHAND POLLUTION CONTROL BOARD के सम्बन्ध में।

महोदय,

सादर निवेदन है कि प्रार्थी द्वारा उपरोक्त विषानुसार माननीय राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली में खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट के द्वारा अनियमित तथा अवैज्ञानिक तरीके से किये जा रहे खनन सामाग्री को पवित्र सरयू नदी में डाले जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसमें माननीय न्यायलय राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा जांच भी करायी गई थी परन्तु आज दिन तक में खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा अपने अवैज्ञानिक तरीके से किये जा रहे अनैतिक कार्यों पर कोई भी ठोस प्रयास व कार्य नही किया जा रहा है आज भी मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा पवित्र सरयू नदी में मलुवा/कचड़ा लगातार डाला जा रहा है।

2–कि मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा जिला बागेश्वर तथा जिला पिथौरागड़ की सीमा पर जिस स्थान पर पॉवर प्रोजैक्ट का निर्माण किया जा रहा है उस क्षेत्र को उत्तराखण्ड आपदा प्रबन्धन विभाग द्वारा भूकम्प व आपदा की दृष्टि से जोन 5 में रखा गया है।

3–कि मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा आपदा की दृष्टि से जोन 5 क्षेत्र में अवैज्ञानिक/अनैतिक तरीके से सुरंगों का निर्माण भारी विस्फोटक पदार्थों द्वारा किया जा रहा है सुरंग के अन्दर विस्फोटो से आस–पास की पहाड़ियों में भूकम्प होने के कारण लोगों के मकान/घर तथा चट्टाने टूट गये है दिनांक 03/06/2024 को ग्रामीणों के मकानों में चट्टानों से पत्थर/बोल्डर खिसक कर लोगों के घरों को भारी नुकसान हुआ है। (फोटो संलग्न है)

4–पूर्व में उपनिदेशक/भू–वैज्ञानिक भू–तत्व एवं खनिकर्म ईकाई पिथौरागड़ द्वारा अपने पत्रांकः/जि0टा0फो0पिथौ0/आपदा/भू0नि0/2023–2024 दिनांक 19/04/2023 के अपने विस्तृत रिपोर्ट के निष्कर्ष में स्पष्टतः लिखा है कि

निष्कर्ष रिपोर्ट–ग्राम सिरसोली के लगभग समस्त आवासीय भवन सामन्य पहाड़ी ढाल 15–20 डिग्री पर अवस्थित है। मौके पर किये गये निरक्षण के अनुसार ग्राम सिरसोली के अन्तर्गत अवस्थित लगभग समस्त आवासीय भवनों में 01 मिमी0 से 02 मिमी0 तक की दरारे पायी गयी है। आवसीय भवनों में उक्त दरारे उत्पन्न होने के मुख्य कारण क्षेत्र में

04/06/24

निर्मित भवनों की संरचना पुराने पारम्परिक रूप में होने व निकट स्थित निर्माणाधीन टनल में प्रतिदिन होने वाली ब्लास्टिंग सम्भावित है। भविष्य में ब्लास्टिंग के कम्पनों से दरारों के उत्पन्न/वृद्धि होने की आशंका को नकारा नही जा सकता। अतः यह उचित होगा कि ग्राम सिरसोली के आवसीय भवनों में उत्पन्न हो रही दरारों की उचित तकनीकी अपनाकर लगातार मॉनिटरिंग व वीडियों ग्राफी की जाय तथा आवासीय भवनों में उत्पन्न दरारों व अन्य का शीघ्र मरम्मत कार्य कराया जाय उक्त के अतिरिक्त निर्माणाधीन टनलों के आस–पास स्थित ग्रामों की भी लगातार मॉनिटरिंग की जाय।

(जांच रिपोर्ट की प्रतिलिपि संलग्न)

5–कि बिन्दु संख्या 4 में उपनिदेशक/भू–वैज्ञानिक भू–तत्व एवं खनिकर्म ईकाई पिथौरागड द्वारा मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा टनल में हो रहे विस्फोटों को ही घरों में दरारों का कारण माना है तथा उत्तराखण्ड आपदा प्रबन्धन विभाग द्वारा भी उक्त क्षेत्र को आपदा एवं भूकम्प की दृष्टि से जोन 5 में रखा है। इसलिए स्पष्ट है कि दिनांक 03/06/2024 को पहाड़ी से बोल्डर गिरने से हुए नुकसान के लिये मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट जिम्मेदार है।

6–बिन्दु संख्या 4 व 5 से स्पष्ट होता है कि मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा अवैज्ञानिक/अनैतिक तरीकों से किये जा रहे टनल निर्माण/विस्फोटों से जन हानि/मानव हानि/जीव हानि/पर्यावरण हानि होनी निश्चित है तथा मैं खुटानी पॉवर प्रोजैक्ट द्वारा नदी में मलुवा/कचड़ा डालकर भी पवित्र सरयू नदी को प्रदूषित किया जा रहा है/मलुवा कचड़ा बहाया जा रहा है। (फोटो छाया प्रतियां संलग्न है)

दिनांक - 07/06/24

प्रार्थी
07/06/24
गोपाल वनवासी पुत्र मदन राम
निवासी ग्राम रीठा, पोस्ट कन्धार,
तहसील गरूड़ जिला बागेश्वर
उत्तराखण्ड।

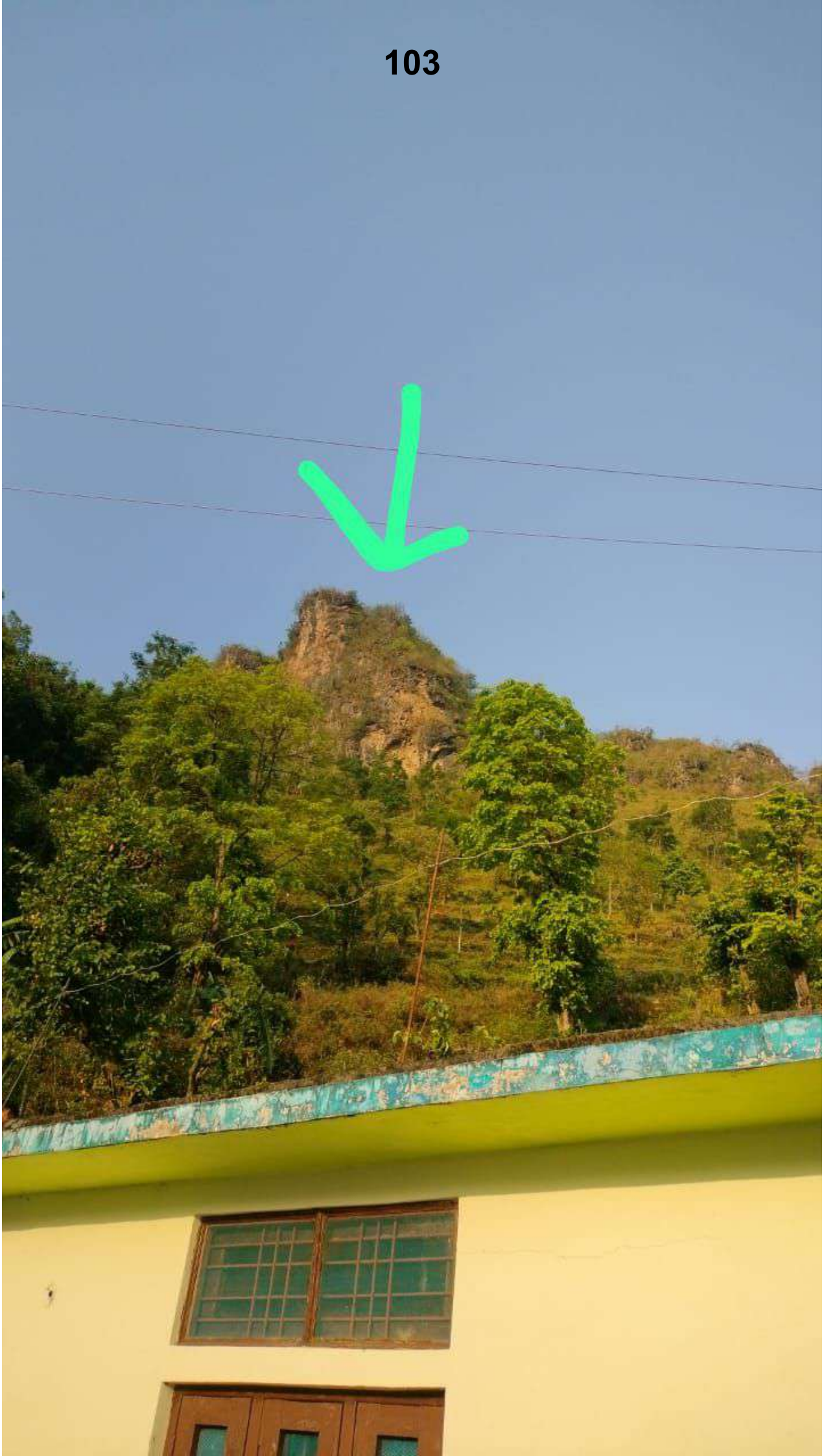

प्रेषक,

उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक
भू–तत्व एवं खनिकर्म इकाई,
पिथौरागढ़।

सेवा में,

जिलाधिकारी
पिथौरागढ़।

पत्रांक : /जि0टा0फो0पिथौ0/आपदा/भू0नि0/2023–24 दिनांक : 19/04/23

विषयः– **जनपद पिथौरागढ़ की तहसील गणाई गंगोली के ग्राम सिरसोलीपट्टी–बनकोट के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के मकानों में दरारें आने तथा मकानों के ध्वस्त होने की कगार पर पहुंचने सम्बन्धित भूगर्भीय निरीक्षण आख्या के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या–र–3141/**XXXi**–विविध (आयुक्तालय प्रकरण)/2022 दिनांक 10 फरवरी, 2023 के क्रम में प्रस्तावित ग्राम सिरसोली का निरीक्षण श्री कुन्दन सिंह नयाल, तहसीलदार, गणाई गंगोली, श्री रमेश गिरि, कानूनगो, गणाई, श्री विक्रम सिंह नेगी, प्रबन्धक (सिविल) खुटानी पॉवर प्रोजेक्ट, श्री कुवंर सिंह कोरंगा, प्रशासनिक इन्चार्जखुटानी पॉवर प्रोजेक्ट, श्री विष्णु दत्त शर्मा, भू–वैज्ञानिक, खुटानी पॉवर प्रोजेक्ट, ग्राम प्रधान सिरसोली तथा ग्रामवासियों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 10 अप्रैल, 2023 को किया गया। जिसकी भूगर्भीय निरीक्षण आख्या निम्नवत् हैः–

प्रभावित ग्राम सिरसोली गणाई–बनकोट–सिरसोली मोटर मार्ग के अपहिल साइड पूरव दिशा में स्थित है। भौगोलिक दृष्टिकोण से उक्त क्षेत्र निम्नलिखित अक्षांश व देशान्तर के मध्य स्थित हैः–

उत्तर दिशा में उत्तर 29^0 45′ 36.02″ पूरब 79^0 49′ 52.74″
दक्षिण दिशा में उत्तर 29^0 45′ 27.55″ पूरब 79^0 49′ 53.61″

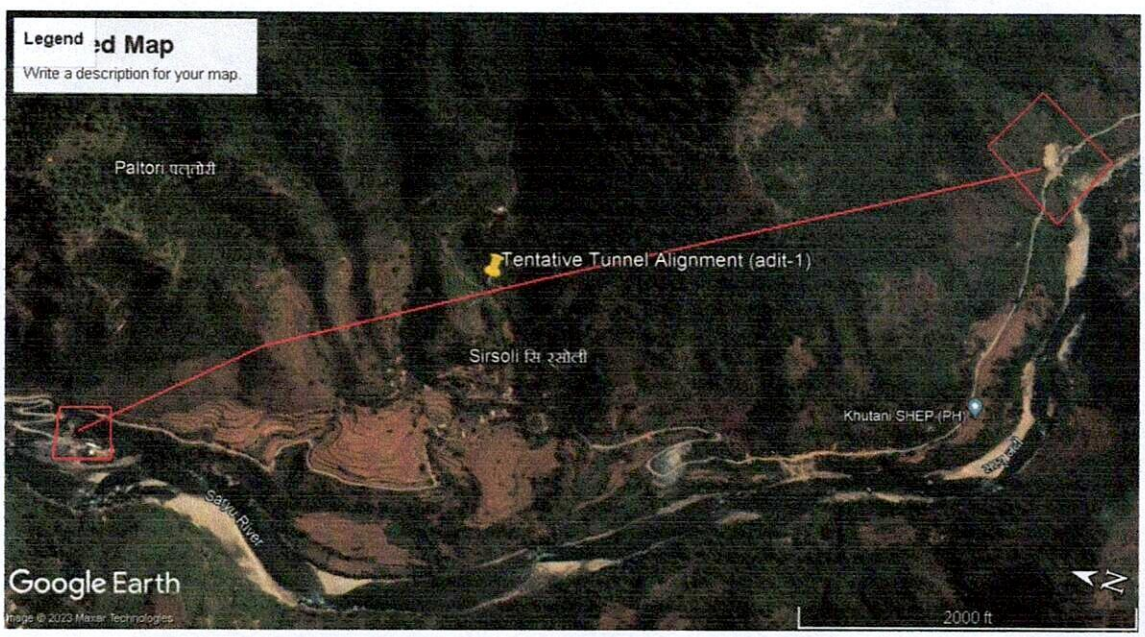

उल्लेखनीय है कि प्रभावित क्षेत्रान्तर्गत मै0 खुटानी पॉवर प्रोजेक्ट लि0 द्वारा सरयू नदी पर 21 मैगावाटका हाइड्रोपॉवर हाउस का निर्माण किया जा रहा है। कम्पनी द्वारा उक्त क्षेत्र में प्रवाहित सरयू नदी घाटी परिक्षेत्र में दो एडिट का कार्य निर्माणाधीन अवस्था में है जिसमें ऐडिट–1 के फेज–2 से फेज–3 तक कुल 2.00 किमी0 की टनल निर्माण कार्य प्रगति पर है। गूगल मानचित्र व अभिलेखों के अनुसार ऐडिट–1 की उक्त टनल ग्राम सिरसौली के उत्तर–पूरव दिशा में लगभग 35 मी0 से 90 मी0 की दूरी पर, उत्तर–पश्चिम से दक्षिण–पूरबदिशा की ओर लगभग 100से 150 मी0 गहराई पर समरेखित होना प्रतीत होता है।

मौके पर प्रभावित ग्राम सिरतोली में निवासरत परिवारों के लगभगसभी 50 परिवारों के आवासीय भवनों का निरीक्षण किया गया, जिसमेंलगभग सभी आवासीय भवनों में 0.1 मिमी0 से 1.00 मिमी0 तथा कहीं–कहीं अधिक माप की दरारें पायी गयी।

प्रभावित ग्राम सिरसौली सरयू नदी के अपहिल साइड पूरब दिशा में सामान्य पहाड़ी ढाल 15^0–20^0 पर बसा हुआ क्षेत्र है। उक्त ग्राम के दक्षिणी एवं मध्य भाग में उत्तर–पूरब से दक्षिण–पश्चिम दिशा लिये हुए दो बरसाती गदेरे दृष्टिगोचित होते है। क्षेत्र मिट्टी की परत के नीचे मध्यम से कठोर शेल चट्टानें दृष्टिगोचित होते है। क्षेत्र में इन चट्टानों का विस्तार 126^0 उत्तर तथा नति 44^0 है। नति की दिशा पहाड़ी ढ़ाल के विपरीत दिशा में है। उक्त ग्राम के आधार भाग में गहरे काले रंग की कटोर स्लेट चट्टाने विद्यमान है। क्षेत्र में निर्मित आवासीय भवनों में उपलब्ध दरारें के अनुसार क्षेत्र में पश्चिम व उत्तर–पश्चिम दिशा में हल्का धसॉव होना प्रतीत होता है। ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि भवनों में उक्त दरारों का आरम्भ परियोजना प्रारम्भ होने के उपरान्त ही हुआ है तथा क्षेत्र में टनलों में ब्लास्टिंग करने से भवनों की छत व दीवारों से प्लास्टर व मिट्टी गिरती रहती है तथा दरारें उत्पन्न हो रही है। उक्त के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु विचारणीय है:–

1. ग्राम सिरसोली में लगभग 40 वर्ष से नव निर्मित आवासीय भवन है। ग्राम में लगभग सभी आवासीय भवनों में दरारें पायी गयी है।
2. लगभग समस्त आवासीय भवन कालम–बीम आधारित संरचना पर निर्मितन होकर पुराने पारम्परिक निर्माण के तरीके के अनुसार निर्मित हैं।

3. क्षेत्र में उपलब्ध पहाड़ी ढाल से मिलाकर आवासीय भवनों का निर्माण दृष्टिगोचित है। पहाड़ी ढाल की ओर उचित स्थान नहीं छोड़ा गया है, और न ही सुरक्षा दीवारों का निर्माण किया गया है।
4. उक्त सम्पूर्ण ग्राम परिक्षेत्र में गिट्टी की 1.5–2.0 व कहीं–कहीं अधिक मोटी परत विद्यमान है। क्षेत्र में परत युक्त कमजोर प्रवृत्ति की शैल चट्टानें विद्यमान है।
5. ग्राम के मध्य तथा उत्तर व दक्षिण दिशा की ओर बरसाती गदेरे अवस्थित है।
6. ग्राम के दक्षिण–पश्चिम दिशा में आवासीय परिक्षेत्र से लगभग 70–80 मी0 की दूरी व अनुमानित (बतायी गयी जानकारी के अनुसार) 100–150 मी0 की गहराई पर खुटानी पॉवर प्रोजेक्ट लि0 की टनल ऐडिट–1 निर्माणाधीन है।
7. टनल के निर्माण में ब्लास्टिंग का उपयोग किया जा रहा है।
8. ग्राम के आधार भाग में टनल से निकले हुये मलवे के अनुसार गहरे स्लेटी रंग की स्लेट चट्टानें है जो फेक्चर्ड अवस्था में है।

निष्कर्षः–

ग्राम सिरसोली के लगभग समस्त आवासीय भवन सामान्य पहाड़ी ढाल 15^0–20^0 पर अवस्थित हैं। मौके पर किये गये निरीक्षण के अनुसार ग्राम सिरसोली के अन्तर्गत अवस्थित लगभग समस्त आवासीय भवनों में 01 मिमी0 से 02 मिमी0 तक की दरारें पायी गयी है। आवासीय भवनों में उक्त दरारें उत्पन्न होने के मुख्य कारण क्षेत्र में निर्मित भवनों की संरचना पुराने पारम्पिक रूप में होने व निकट स्थित निर्माणाधीन टनल में प्रतिदिन होने वाली ब्लास्टिंग होना सम्भावित हैं। भविष्य में ब्लास्टिंग के हल्के कम्पनों से दरारों के उत्पन्न/वृद्वि होने की आशंका को नकारा नही जा सकता। अतः यह उचित होगा कि ग्राम सिरसोली के आवासीय भवनों में उत्पन्न हो रही दरारों की, उचित तकनीकी अपनाकर, लगातार मोनीटरिंग व विडियोग्राफी की जाय तथा आवासीय भवनों में उत्पन्न दरारों व अन्य का शीघ्र मरम्मत कार्य कराया जाय। उक्त के अतिरिक्त निर्माणाधीन टनलों के आस–पास स्थित ग्रामों की भी लगातार मोनीटरिंग की जाय।

संलग्नक–फोटोग्राफ

भवदीय

(दिनेश कुमार)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक
पिथौरागढ़।

पत्रांक–55/ भू0खनि0ई0/पिथौ0/भू0नि0/2023–24, तद्दिनांकित ।
प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित ।

1. निदेशक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. उप जिलाधिकारी गंगोलीहाट।

18/04/2023

(दिनेश कुमार)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक
पिथौरागढ़।

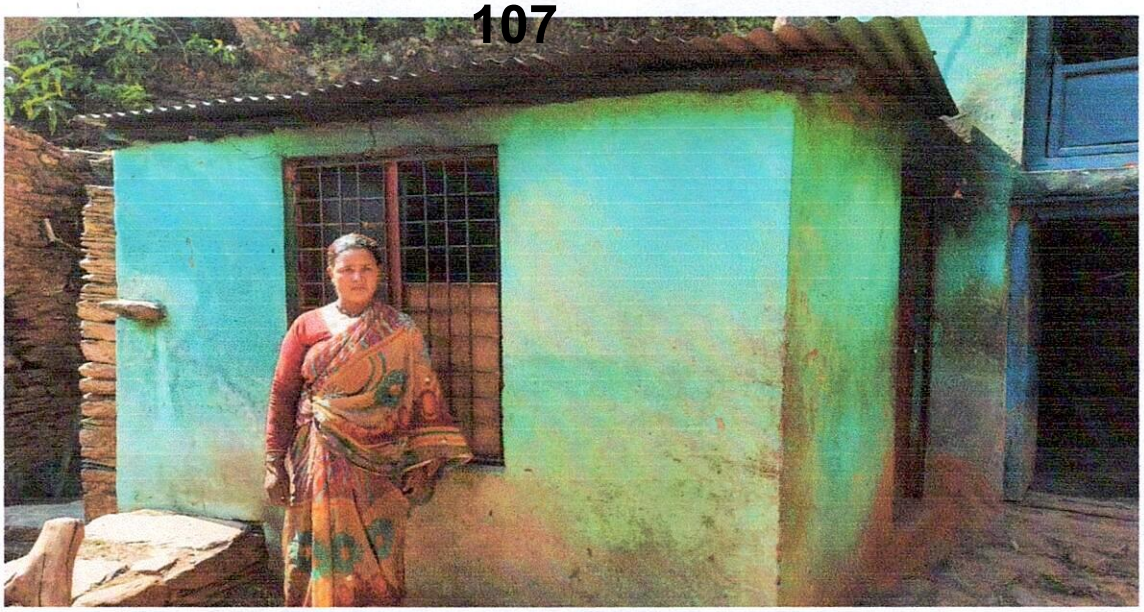

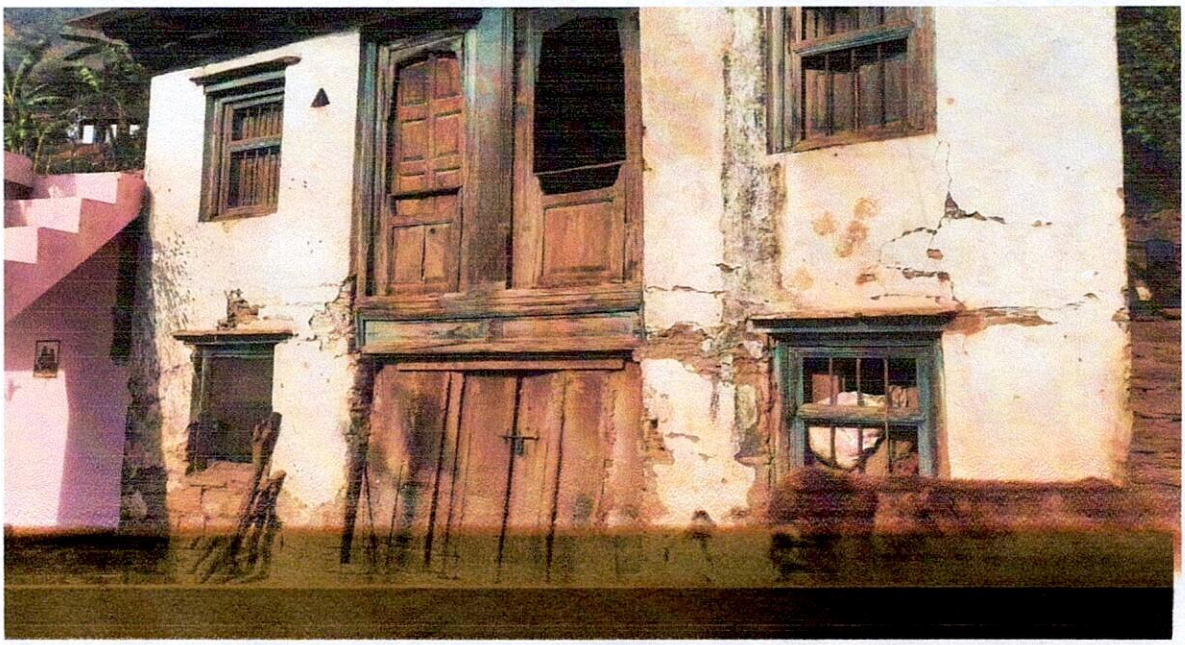

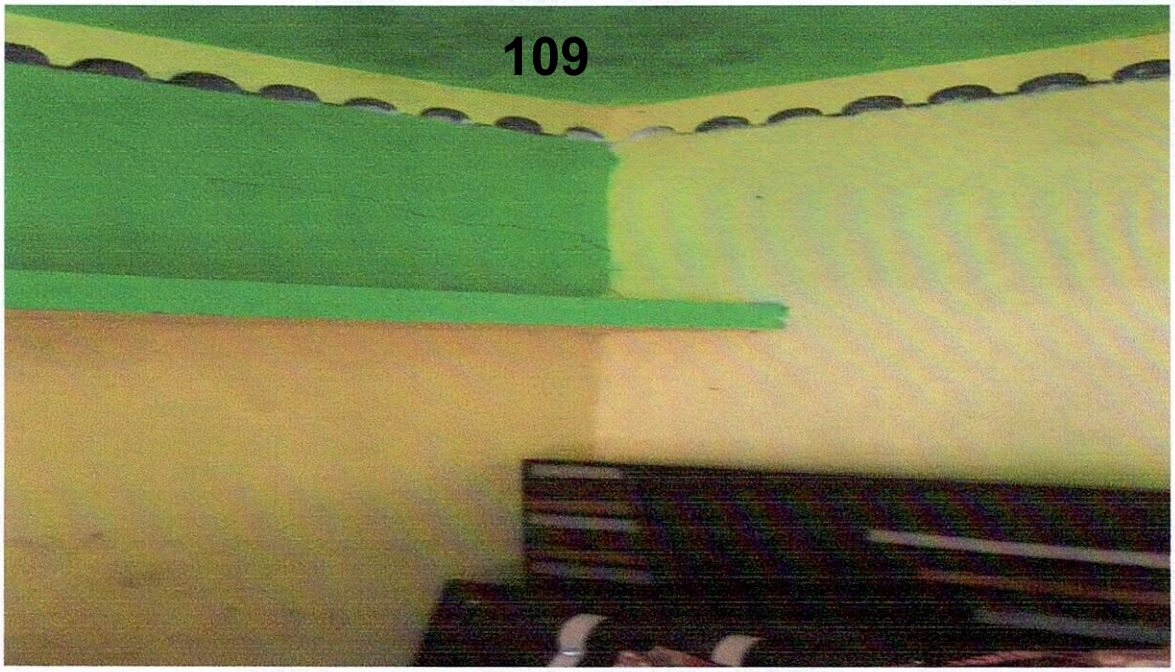

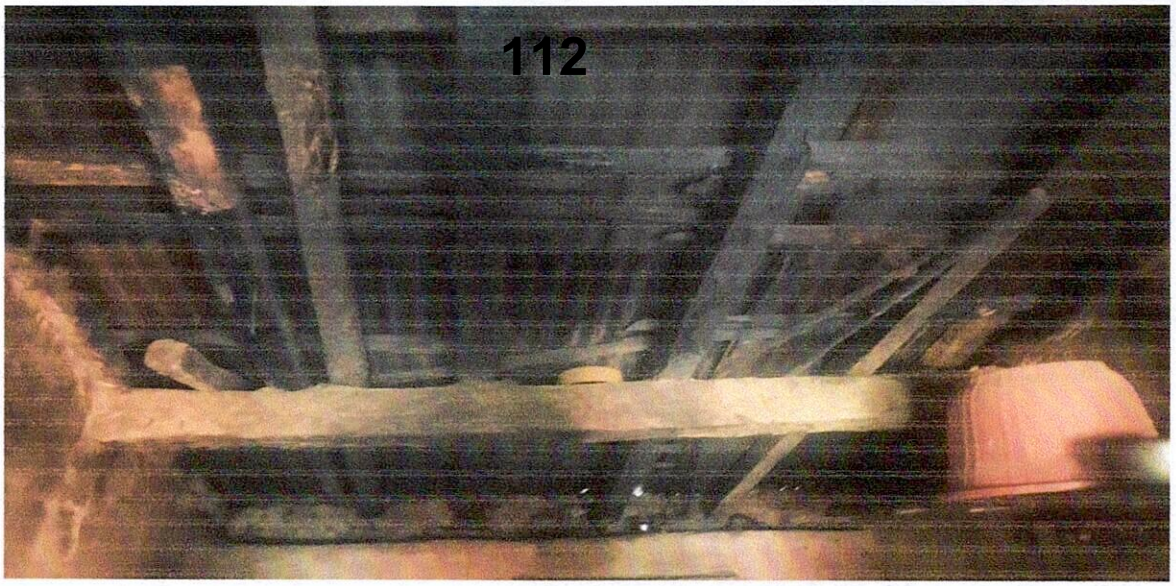

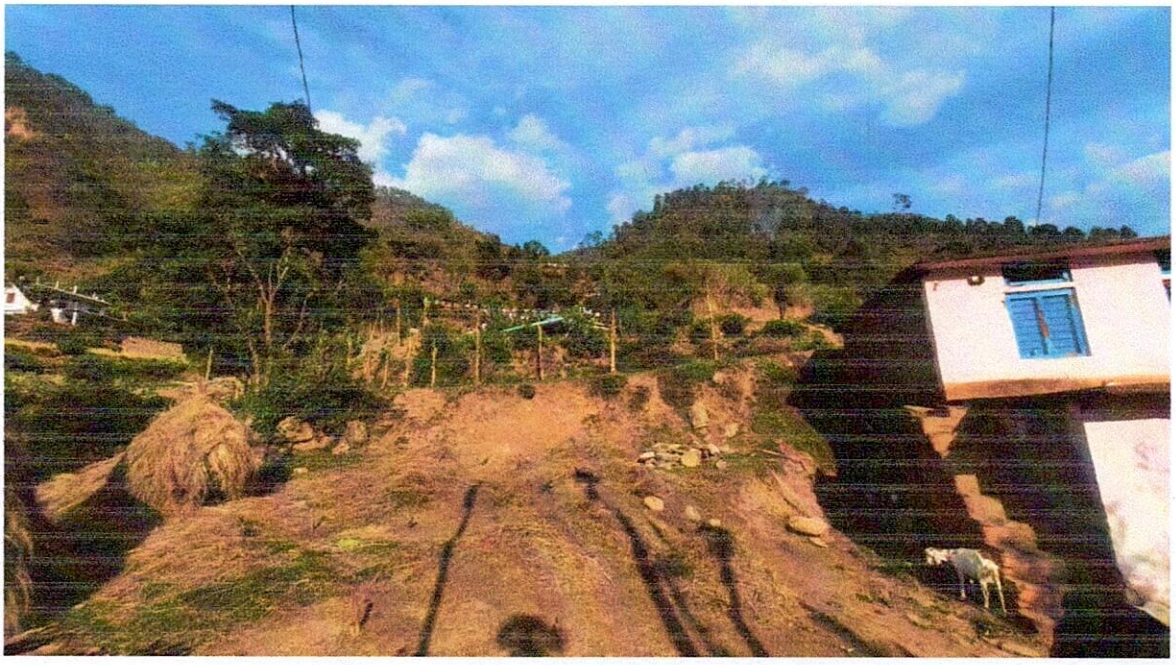

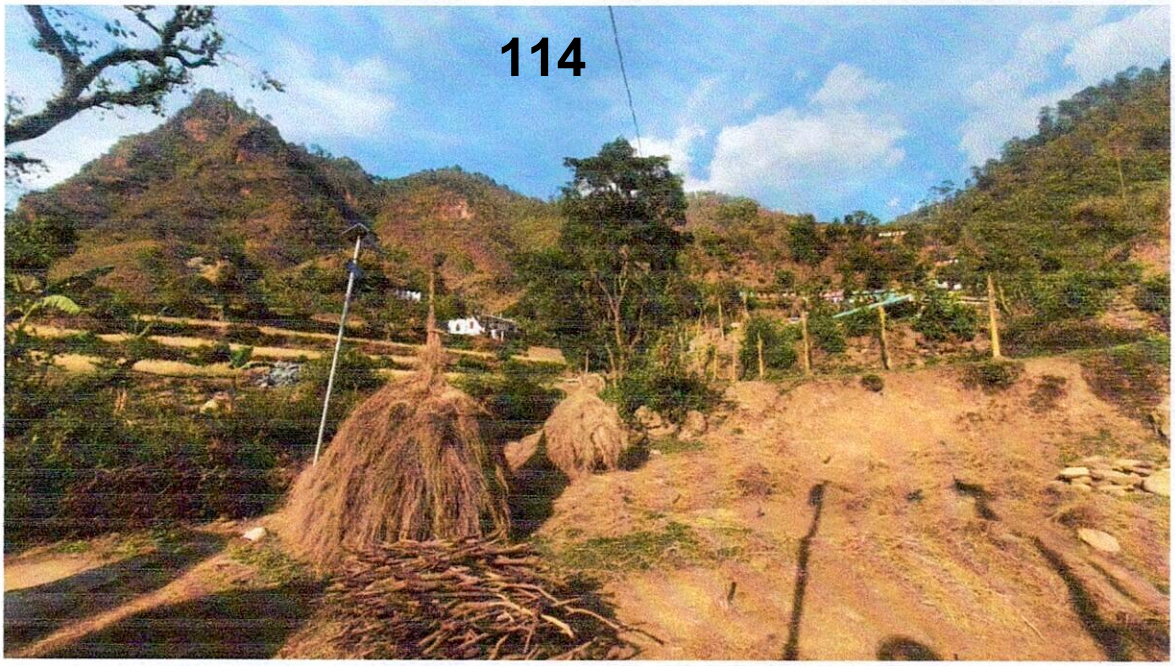

GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:27 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:24 AM GMT +05:30
Google

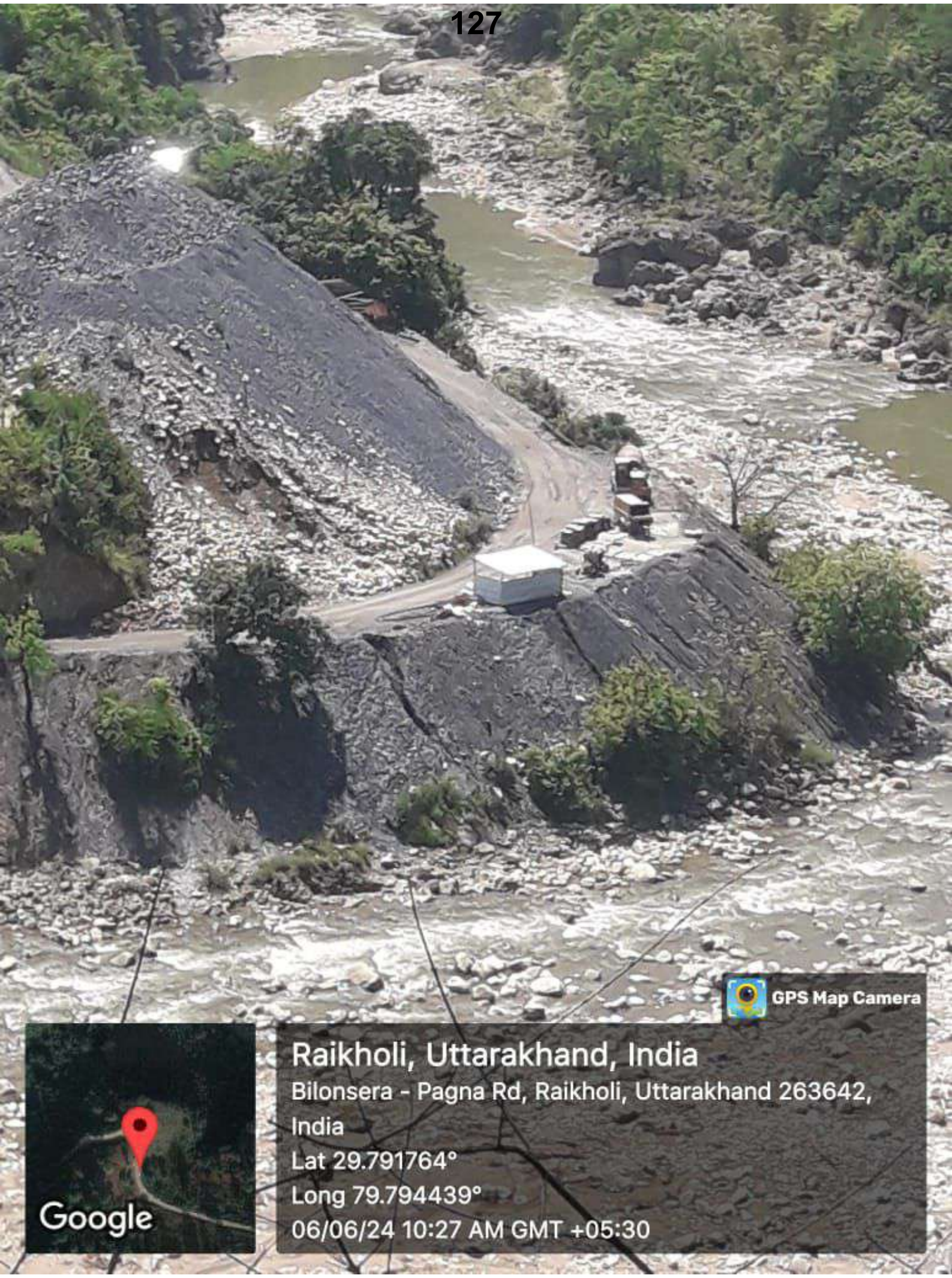
GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:27 AM GMT +05:30
Google

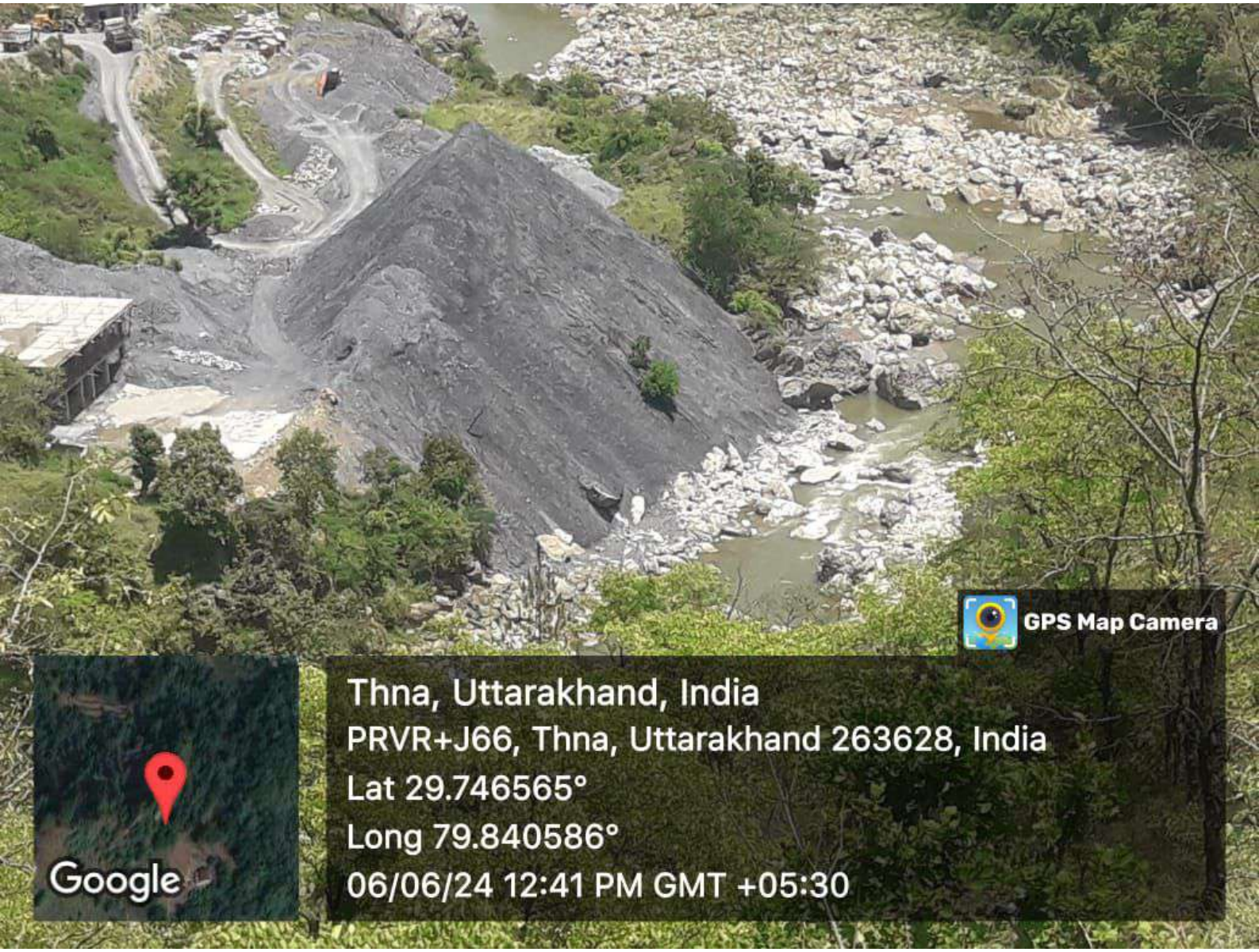
GPS Map Camera
Thna, Uttarakhand, India
PRVR+J66, Thna, Uttarakhand 263628, India
Lat 29.746565°
Long 79.840586°
06/06/24 12:41 PM GMT +05:30
Google

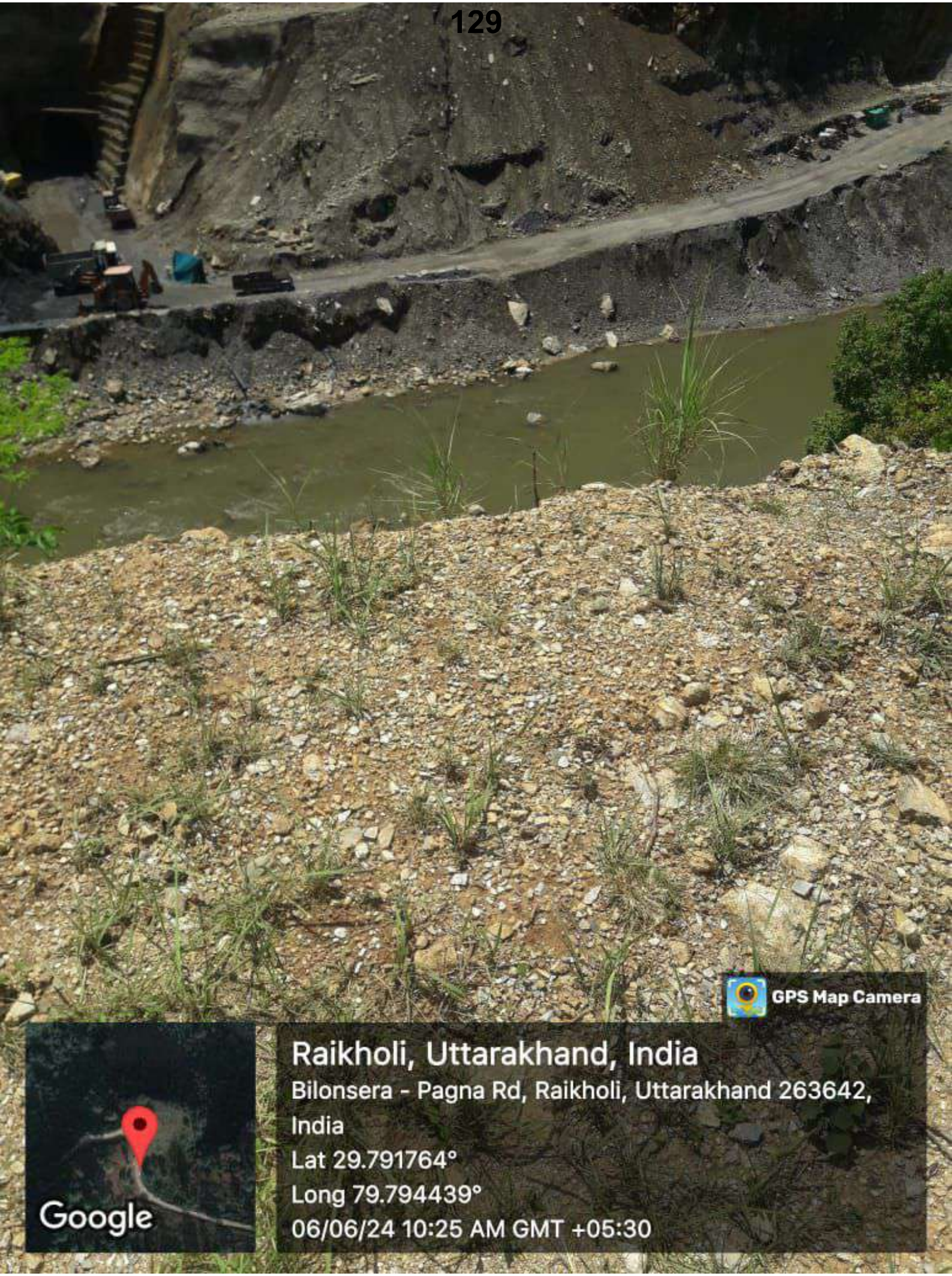
GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:25 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:27 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Raikholi, Uttarakhand, India
Bilonsera - Pagna Rd, Raikholi, Uttarakhand 263642, India
Lat 29.791764°
Long 79.794439°
06/06/24 10:24 AM GMT +05:30
Google

कार्यालय जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, बागेश्वर।

संख्या– 05 /तेरह–डी0डी0एम0ए0/2024–25 दिनांक 25 अप्रैल, 2024

सेवा में,

लोक सूचना अधिकारी/
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,
जिला कार्यालय, बागेश्वर।

विषयः– सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना चाहने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या–08/2024–25 दिनांक 23 अप्रैल, 2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। सन्दर्भित पत्र द्वारा श्री गोपाल वनवासी पुत्र री मदन राम, ग्राम रीठा, पो0ओ0 कन्धार, तहसील गरूड़, बागेश्वर का सूचना अधिकार अनुरोध पत्र इस कार्यालय को उपलब्ध कराते हुए वांछित सूचना उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गई है। जिसके कम में सूचना का विवरण निम्नवत् है–

1. बिन्दु संख्या 03– सम्पूर्ण जनपद बागेश्वर भूकम्प की दृष्टि से जोन–V में है। UTTARAKHAND EARTHQUAKE ZONATION की प्रति संलग्न है। उक्त का अवलोकन उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की वैबसाईट https://usdma.uk.gov.in से भी किया जा सकता है।

अतः उक्तानुसार अनुरोधकर्ता को अपने स्तर से अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीया

25.04.2024

(शिखा सुयाल),
जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
बागेश्वर।

M

quake Hazard Zonation

UTTARAKHAND EARTHQUAKE ZONATION

Click to View Large

सूचना अधिकार अधिनियम 2005
के अन्तर्गत छाया प्रति सत्यापित

लोक सूचना अधिकारी
जिला कार्यालय बागेश्वर